

प्रयोजनवाद पुं. (तत्.) यह मत कि प्राकृतिक प्रक्रियाएँ बुद्धिमत्तापूर्वक सदा किसी उद्देश्य की ओर निर्दिष्ट होती हैं।

प्रयोज्य वि. (तत्.) 1. इस्तेमाल, प्रयोग, व्यवहार के योग्य, बरतने योग्य, काम में लाने योग्य 2. नियुक्त करने योग्य 3. अभ्यास करने लायक 4. उत्पन्न या पैदा करने योग्य 5. चलाने या फेंकने योग्य (अस्त्र) 6. कार्य आरंभ करने योग्य 7. पूँजी, सरमाया 8. नौकर। usable

प्ररुद्ध वि. (तत्.) 1. पैदा हुआ, उद्भूत, उत्पन्न, पूर्ण विकसित 2. पूर्ण वृद्धि को प्राप्त, बढ़ा हुआ, गहरा धँसा हुआ, लंबा प्रकार, किस्म, नमूना, निदर्श।

प्ररूप पुं. (तत्.) प्रकार, किस्म, नमूना, निर्दिष्ट व्यक्तियों, वस्तुओं, समष्टि आदि का ऐसा वर्ग या समूह जिसमें कुछ विशेषताएँ समान रूप से प्रत्येक व्यक्ति या इकाई में हो और प्रत्येक इकाई उस वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में मानी जाती है type

प्ररूपण पुं. (तत्.) प्रतीकीकरण, प्रतिनिधित्व, पूर्वाभास, आदिरूप। typification

प्ररूपमुक्त वि. (तत्.) किसी वर्ग, प्रकार की समष्टि में सबसे अलग, बिना किस्म का, नमूने से भिन्न।

प्ररूप विज्ञान पुं. (तत्.) प्ररूपण संबंधी क्रमबद्ध ज्ञान, प्ररूपों के वर्गीकरण की विधि; भाषाओं या भाषाओं के विभिन्न पक्षों का, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में न जाकर, उनकी संरचनात्मक विविधताओं या समानताओं का अध्ययन।

प्ररूपात्मक वि. (तत्.) प्ररूप-संबंधी, प्ररूप का।

प्ररूपी वि. (तत्.) प्ररूप के रूप में मान्य या स्वीकार्य, प्रारूपिक।

प्ररोचन पुं. (तत्.) 1. रुचि/शौक उत्पन्न करना 2. रुचि उत्पन्न करने वाला कोई प्रदर्शन 3. उत्तेजन, उद्दीपन, उत्तेजना 4. उदाहरण, नजीर, निदर्शन, व्याख्या, नाटक आदि में आगामी दृश्य

या घटनाओं का रोचक वर्णन 5. ध्येय की पूर्ण रूप से प्रतिस्थापना।

प्ररोचना स्त्री. (तत्.) दे. प्ररोचन।

प्ररोह पुं. (तत्.) 1. अंकुर, अँखुआ, कोंपल, बीजांकुरण, कल्ला 2. किसलय, संतान, उत्पत्ति, जमना, उगना 3. आरोह, चढ़ाव, चढ़ाई 4. उल्का, पौधों को ऊपर की ओर बढ़ना, नवपल्लव, शाखा 5. पौधे की टहनी जो कलम लगाने के लिए काटी जाए।

प्ररोहण पुं. (तत्.) उत्पत्ति, वर्धन, उगना, आरोह, चढ़ाव, चढ़ाई, अंकुर या कल्ला, निकलना, पौधों का ऊपर की ओर बढ़ना, कली खिलना, किसलय स्पुटन, कोंपल, टहनी।

प्ररोही वि. (तत्.) उत्पन्न होने वाला, उगने वाला, ऊपर की ओर बढ़ने, जाने वाला। vegetative

प्रलंब वि. (तत्.) 1. लटका हुआ, लटकता हुआ, लटकनशील, अधिक लंबा 2. आगे निकला हुआ, सुस्त, काहिल 3. विलंबकारी पुं. 1. शाखा, डाली 2. गले की पुष्माला, गुंज, कंठहार, लटकाव, झुकाव 3. स्त्री के स्तन या कुच 4. जस्ता, सीसा।

प्रलंबन पुं. (तत्.) नीचे लटकना, सहारा लेना, अवलंबन, आश्रित, अवलंबित होना।

प्रलंबित वि. (तत्.) बहुत नीचे तक लटका हुआ, लटकनशील।

प्रलंबी वि. (तत्.) 1. बहुत नीचे तक लटकने वाला 2. अवलंब/सहारा देने वाला, आश्रयदाता।

प्रलंबन पुं. (तत्.) 1. लाभ, प्राप्ति, उपलब्धि 2. छल-कपट, धोखा, ठगी ठगपना, प्रवंचना, धूर्तता।

प्रलक्षित प्राप्ति स्त्री. (तत्.) वाणिज्य में विशेष रूप से जहाँ सामग्री की वास्तविक प्राप्ति नहीं होती परंतु विधि के अनुसार मान्य ऐसी परिस्थितियाँ, दस्तावेज आदि उपलब्ध होते हैं जिनके आधार पर सामग्री को प्राप्त हुआ माना जाता है।

प्रलक्षित सुपुर्दगी स्त्री. (तत्.) ऐसी सुपुर्दगी जिसमें संदर्भगत संपत्ति या वस्तु वास्तव में हस्तांतरण नहीं होती परंतु विभिन्न संबंध पक्षों द्वारा,